TEACHER NAME - SURAJ KUMAR

COLLEGE NAME - SHAKUNTALAM INSTITUTE OF TEACHER EDUCATION SASARAM ROHTASH BIHAR 821115

PAPER - C-4 "LANGUAGE ACROSS THE CURRICULUM"

TOPIC - UNIT-3 भाषा कौशल Language Skill

B.Ed 1st YEAR (2020-2022)

DATE - 15-04-21

श्रवण कौशल के उद्देश्य

- वक्ता के मनोभाव को समझ सकना।
- भाव व विचार को ग्रहण कर सकना।
- सुनने के शिष्टाचार का पालन करना।
- धैर्यपूर्वक सुनना।
- अक्षरो, शब्दो, का शुद्ध उच्चारण तथा स्वर गति, लय और प्रवाह के साथ पढ़ने की योग्यता विकसित करना।
- श्रुत सामग्री में निहित महत्वपूर्ण एवं मर्मस्पर्शी विचारों, भावो तथा तथ्यो का चयन करने की क्षमता ~~विकसित करना।~~ उत्पन्न करना।
- सुनकर अर्थ ग्रहण करने की योग्यता का विकास।
- अभिप्रेरित के ढंग से समझ सकना।

महत्व

- सभी बातो को सुनने के बाद अपने विचारो के प्रतिपादन हेतु ठोस तर्क प्रस्तुत कर सकेंगे
- रटने के अपेक्षा तर्क शक्ति पर अधिक भरोसा करना चाहिए।
- ध्यान सुनने की कला में प्रवीण होकर तर्क का खंडन और आलोचना कर सकेगा।
- घर, विद्यालय और समाज के विचारो को ~~सुनकर~~ ध्यानपूर्वक सुन सकेगा तथा प्रतिकूल मतो का स्वागत कर सकेगा।

सुनने को प्रभावित करने वाले कारक

(1) कक्षा-कक्ष में दमनात्मक अनुशासन का नियंत्रण- इससे कक्षा में बालक शिक्षक से भयभित होते है न ही पाठ को ध्यान से सुनते है न ही समझते है।

(2) ध्यान केन्द्रित न होना।

(3) भाषायी विकार

(4) अशान्त वातावरण

श्रवण (सुनने के बाधाओं का निराकरण

(1) शिक्षकों द्वारा प्रभावोत्पादक एवं प्रभावशाली भाषा शिक्षण अपनाना - इससे कक्षा-कक्ष में सजीवता आएगी, बच्चे ध्यान पूर्वक पाठ को रूचि के साथ सुनेंगें।

(2) कक्षा कक्ष को बालकेन्द्रित के साथ-2 मुक्तात्मक अनुशासन स्थापित करें।

(3) मौखिक कार्य के अवसर पर बालको को लिखित कार्य बिलकुल न करने दिया जाए।

(4) अधिक-से-अधिक मौखिक कार्य का प्रोत्साहन।

(5) प्रेरणा एवं रूचि का विकास।

(6) Teaching skill development (प्रश्न कौशल - कक्षा-कक्ष मे सजीवता, रुचि का विकास।
(श्यामपट्ट कौशल - आकर्षक शीर्षक लिखना)
(प्रदर्शन कौशल - श्रवण

(7) सुनने संबंधी विकारों का उपचार - अभिभावक को एवं डॉक्टरी सलाह दे

(8) स्वच्छ एवं शान्त वातावरण की व्यवस्था करना।

= श्रवण कौशल के विकास के लिए बालको के श्रव्य उपकरण या सामग्री का प्रयोग किया जा सकता है —

① विडियो -

- श्रवण कौशल व उच्चारण का ठीक करने का सरलतम साधन है।
- विडियो के द्वारा किसी संवाद को टेप कर लिया जाता है और बच्चो को सुनाया जा सकता है।
- बच्चों को आत्मप्रेरित करे कि वह प्रतिदिन आकाशवाणी और दुरदर्शन समाचार सुने इनसे उनका श्रवण कौशल के साथ-2 उच्चारण की शुद्धता में सुधार भी आए

② टेप-रिकार्डर -

- जब किसी का भाषण चल रहा है उसी समय उसकी भाषण को टेप-रिकार्डर कर लिया जाता है।
- इसमें महत्वपूर्ण भाषण को टेप करके रखा जा सकता है और आवश्यकतानुसार, व समयानुसार छात्रों को चाहे जब सुनाया जा सकता है।

③ दुरदर्शन -

- यह श्रव्यदृश्य यंत्र है।
- इसके प्रसारित द्वारा कार्यक्रम को कानो द्वारा सुनने के साथ-2 इसे आँख से देख भी सकते है।
- इसमें भावभंगिमा शाब्दिक भाषा के साथ-2 अशाब्दिक भाषा की स्पष्ट आवृत्ति दिखाई देती है।

④ रेडियो -

- समय-2 पर शिक्षाप्रद अपना वक्तव्य आकाशवाणी के विभिन्न माध्यम से प्रसारित करते
- इसको सुनकर बच्चे अपने श्रवण कौशल के साथ-2 उच्चारण को शुद्ध कर सकते है।

⑤ ग्रामोफोन रिकार्ड -

- कक्षा-कक्ष (भाषा प्रयोगशाला) में विद्यार्थियों को सुन्दर गीतों, कविताओं तथा पद्यांशो को सुनाकर उनका ध्यान साहित्य की ओर आकृष्ट किया जा सकता है।
- भाषा का रिकॉर्ड सुनाकर छात्रों के उच्चारण संबंधी दोषों को दूर किया जा सकता है।